प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
31.08.2025 / प्रादेशिक समाचार / 1800बजे

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश को स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने यानी वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। आकाशवाणी से आज मन की बात कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि त्योहारी मौसम में देशवासियों को स्वदेशी की बात भूलनी नहीं है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उपहार, कपड़े और सजावट की वही चीजें लें, जो ''मेड इन इंडिया'' हों यानी भारत में बने हों या भारत की सामग्री से तैयार हुए हों। उन्होंने कहा कि जीवन से जुड़ी हर चीज स्वदेशी होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं देश को कसौटी पर कस रही हैं। पिछले कुछ हफ्तों में हमने बाढ़ और भू–स्खलन का बड़ा कहर देखा है। नरेन्द्र मोदी ने कहा कि जहां भी संकट आया, वहां लोगों को बचाने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल और अन्य सुरक्षा बल सभी दिन–रात जुटे रहे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्यों में तेजी लाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने आज शिमला पहुंचते ही मुख्य सचिव से वर्षा से उत्पन्न स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी हैं। सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने प्रदेश के सभी लोगों से एहतियात बरतने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील भी की है।

मौसम

प्रदेश में पिछले 24 घंटों से मॉनसून की भारी वर्षा हो रही है, जिससे अनेक स्थानों पर जनजीवन अस्त–व्यस्त हुआ है। चंबा ज़िले के भरमौर में भूस्खलन के कारण फंसे मणिमहेश यात्रियों को लगातार हो रही भारी वर्षा में निकालने में मुश्किलें आ रही हैं। हालांकि प्रशासन ने यात्रियों को निकालने के लिए बसों और टैक्सियों का प्रबंध किया है और पिछले 3 दिनों में लगभग 10 हजार यात्री निकाले जा चुके हैं। अभी भी भरमौर के अनेक स्थानों पर लगभग 3 हजार यात्री बचे हैं जिन्हें प्रशासन द्वारा निकाला जा रहा है। ये सभी यात्री जम्मू कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों के रहने वाले हैं। इधर शिमला में भी भारी वर्षा का दौर जारी है और शिमला के विकास नगर में आज भारी भूस्खलन के कारण दो गाड़ियां मलबे के नीचे दब गईं, हालांकि इसमें कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। शिमला के महापौर सुरेंद्र चौहान ने घटना स्थल का दौरा कर बताया कि क्षेत्र में कुछ पेड़ खतरा बने हुए हैं जिन्हें जल्द हटाया जाएगा।

प्रदेश में भूस्खलन से 3 राष्ट्रीय उच्च मार्गों सहित 8 सौ 19 सड़कें यातायात के लिए अवरुद्ध हैं। इसके अलावा एक हजार दो सौ 36 बिजली ट्रांसफार्मर और 4 सौ 24 पेयजल योजनाएं भी ठप्प हैं।

मौसम पूर्वानुमान

इस बीच मौसम विभाग ने आज ऊना, बिलासपुर, शिमला, सोलन और सिरमौर ज़िले के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का रैड अलर्ट जारी किया है, वहीं अन्य ज़िलों के अनेक स्थानों पर भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट है। इसके अलावा कल पहली और दो सितम्बर को भी ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, कांगड़ा, मंडी, सिरमौर, कुल्लू और चंबा ज़िले के कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा का रैड अलर्ट है। राज्य के अन्य ज़िलों में भी अगले दो–तीन दिन भारी वर्षा होने के आसार हैं। प्रशासन ने भारी वर्षा को देखते हुए लोगों से नदी–नालों के नजदीक न जाने और अनावश्यक यात्रा न करने की अपील की है।

कार्य दिवस

चंबा के उपायुक्त व जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष मुकेश रेपसवाल ने जिला में आज रविवार और कल घोषित स्थानीय अवकाश को स्थगित करने के संबंध में आदेश जारी किए हैं। ये आदेश लोक निर्माण, विद्युत, जल शक्ति, ग्रामीण विकास, नगर निगम, खाद्य व नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, आयुष, राजस्व और अन्य संबद्ध विभागों पर लागू रहेंगे। इस दौरान इन सभी विभागों के फील्ड कर्मचारी आवश्यक सेवाएं बहाली कार्य के लिए ड्यूटी पर तैनात रहेंगे।

———————————————